माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर

Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

Website: http://mvvu.ac.in. e-mail : reg.mvvu@gmail.com

स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम

परिकल्पना एवं पाठ्यक्रम एंव लक्ष्य

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भाषा और साहित्य को पारम्परिक ज्ञान विधियों के साथ नए सन्दर्भो में देखने की हिमायत करती है। राष्ट्र, राज्य की आधारभूत संकल्पनाओं, राष्ट्रीयता की आधारभूत समझ, परिवर्तनकामी भारतीय आन्दोलनों जैसे नाथो–सिद्धों का हस्तक्षेप, भक्तिकालीन जनक्षेत्र का निर्माण, भारतीय स्वाधीनता संग्राम के साथ ही विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ रिश्तों की पहचान एवंसरकार, गैर सरकारी व कार्पोरेट जगत की मॉगों के अनुरूप नए सन्दर्भों की तलाश और अंतरवर्ती धारा के रूप में साहित्यबोध तथा शास्त्रबोध की व्यापक समझ साहित्य के पाठ्यक्रम की आधारभूत आवश्यकता है। इसे ध्यान में रखते हुए उच्च शिक्षा द्वारा प्रेषित समान पाठ्यक्रम में अपेक्षित और निर्धारित संशोधन करते हुए बी0ए0 हिन्दी पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है। मेजर माइनर एव वोकेशनल पाठ्यक्रमों का निर्माण इस प्रक्रिया को समग्र रूप मे पाठ्यक्रम अभिकल्पना में सामने लाने का प्रयास करता है। हिन्दी अध्यापन, प्रिन्ट और विजुअल मीडिया, धारावाहिक और पटकथ लेखन, विज्ञापन और अनुवाद आदि अनेक आवश्यकताओ के आलोक में पाठ्यक्रम की संकल्पना आकार प्राप्त की है। पाठ्यक्रम उद्देश्यों को अग्रलिखित बिन्दुओं के आलोक में और भी बेहतर ढंग से समझना सम्भव है–

- भारतीयता के तत्वों की साहित्यिक और सांस्कृतिक निर्मितियों का अवगाहन।
- साहित्यशास्त्र और काव्यशास्त्र की आधारभूत समझ।
- सौन्दर्यबोध और साहित्यबोध की समझ।
- हिन्दी जनक्षेत्र की समझ का विकास।
- रचनात्मक लेखन की बारीकियो से अवगत होना।

- स्वाधीन लेखन की सामर्थ्य का निर्माण।
- राजगारोन्मुख क्षेत्रों की आवश्यकताओं के अनुरूप भाषाई कौशलों का विकास।

पाठ्यक्रम (राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुसार)

हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग,

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA I YEAR	SEMESTER: I

Subject: Hindi

COURSE CODE: A010101T	COURSE TITLE: हिन्दी काव्य

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

हिन्दी काव्य के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना तथा हिन्दी काव्य के संक्षिप्त इतिहास की जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिन्दी कविता के विकास क्रम से अवगत कराना।

1. इकाई 1
   भारतीय ज्ञान परम्परा का साहित्यि एवं सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में अवगाहन ताकि देशज निर्मितियों के आलोक में वैश्विक समायोजन की राह निकले।
2. इकाई 2
   आधुनिकता की अवधारण की समझ के आलोक में साहित्य और सौन्दर्यबोध की समझ बने। तार्किकता और वैज्ञानिकता के पहलू साहित्य के माध्यम से प्रकट हो।
3 इकाई 3
   आदिकालीन कवियों की रचना प्रक्रिया और रचना सौन्दर्य से परिचय।
4 इकाई 4 एवं 5
   भक्तिकाल के दार्शनिक सिद्धान्तों और लोक जागरण को कवि की रचनाओं के साक्ष्य में समझना।
5 इकाई 6
   रीतिकालीन सौन्दर्यबोध और भाषा वैविध्य का अध्ययन।
6 इकाई 7
   आधुनिक काल की रचनाओं के माध्यम से तार्किकता,लैंगिक विमर्श, वैश्विक चेतना और मूल्यपरक दृष्टिकोण को अर्जित करना।

:अध्ययन परिणाम :

1 इकाई 1

विद्यार्थी इस इकाई के अध्ययनोपरांत हिन्दी साहित्य के आद्य–प्रस्थानों से न केवल परिचित हो सकेगा बल्कि भारतीय ज्ञान परम्परा के रचनात्मक आयामों का साक्षात्कार भर कर सकेंगे। विभिन्न साहित्यिक परम्पराओ के उत्स के अवगाहन से भारतीय ज्ञान की लोक– संयुक्त सांस्कृतिक एकसूत्रता को पहचान सकेगे।

2 इकाई 2

इस इकाई के अध्ययनोपरांत आधुनिक साहित्य मानस की निर्मिति की प्रेरक परिघटनाओं के संज्ञान के साथ–साथ हिन्दी भाषा एवं साहित्यिक विधाओं के विकास और परिशंसन के सामाजिक आधारो को तार्कित रूप से ग्रहण कर सकेगे।

3 इकाई 3

इस इकाई के अध्ययनोपरांत विद्यार्थीगण न केवल हिन्दी की विभिन्न काव्य परम्पराओं

को मूर्त रूप में ग्रहण कर सकेंगे बल्कि साहित्यिक परम्पराओ के निर्माण मे युक्तियुक्त पारस्परिकता के रचनात्मक बिन्दुओं को पहचानने में सक्षम हो सकेंगें।

4 इकाई 4

भक्तिकाल काव्य के 06 प्रतिनिधि कवियों की रचनाओं के अध्ययनोपरांत विद्यार्थी ज्ञान, भक्ति और कर्म विभिन्न माानवीय आदर्श संवेदना को आत्मसात कर सकेंगे। इन रचनाओं में निहित माानवीय करूणा सामाजिकता के बोध से विकसित माानवीय मूल्योंकोआत्मसात कर सकेंगे।

5 इकाई 5

हिन्दीसाहित्येतिहास में रीतिकाल के तीन प्रमुख कवियों की रचनाओं के सम्यक अवगाहन के बाद विद्यार्थीगण कला, भाषा, संस्कृति और काव्य रूपों के विकास की प्रकिया को समझ सकेंगे। रीतिकालीन रचनाएँ भक्तिकाव्य और आधुनिक काव्य के बीच भाषा और भाव के बीच सेतु बनाते हैं। इसका अवबोध विकसित कर सकेंगें।

6 इकाई 6

आधुनिक काल के पॉच प्रमुख कवियों की प्रतिनिधि कविताओंके अध्ययनोपरांत विद्यार्थी यह बोध विकसित करने में सक्षम हो सकेंगे कि पुराने कयियों के बीच सामाजिक और प्रासंगिक मानवीय मूल्यों को कैसे रचनात्मक संरक्षण प्रदान किया जा सकता है। राष्ट्र बोध के साथ–साथ प्रकृति बोध को और अंततः विश्वबोध को विकसित कर पाने में विद्यार्थी संवेदित हो सकेंगे।

7 इकाई 7

दोनों विश्वयुद्धों के बाद वैश्विक संरचनाओं और दृष्टियों में बड़े परिवर्तन हुए। इस इकाई में निहित कवियोंकी कविताओं के माध्यम से विद्यार्थी व्यक्ति और समाज, राज्य और राष्ट्र तथा विश्व के बदलते ताने–बाने को तर्कपूर्ण परन्तु रचनात्मक संदृष्टि से पहचान सकेंगे।

8 इकाई 8

आठवी इकाई के अध्ययनोपरांत विद्यार्थी शोध की बुनियादी अवधारणा को समझ सकेंगे। साहित्यिक शोध के सामाजिक आयामों को पहचान सकेंगे।

CREDITS: 6	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30
Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.		

Unit		No. of Lectures
I	**भारतीय ज्ञान परम्परा के अन्तर्गत आदिकालीन हिन्दी काव्यका इतिहास : इतिहास लेखन की परम्परा एवं विकास :** भारतीय ज्ञान परम्परा और हिन्दी साहित्य का काल विभाजान, नामकरण एवं साहित्यिक प्रवृत्तियॉ। सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, नाथ साहित्य और लौकिक साहित्य भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक एवं सांस्कृतिकर कारण, भक्तिकाल के पमुख सम्प्रदाय और उनका वैचारिकआधार, निर्गुण और सगुण कवि और उनका काव्यं। रीति काल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, नामकरण, प्रवृत्तियॉ एवं परिप्रेक्ष्य। रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख भेद (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीति मुक्ति, प्रमुख कवि और उनका काव्य)।	12
II	**आधुनिक कालीन काव्य का इतिहास :** सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, नामकरण एवं प्रवृत्तियॉ, 1857 का प्रथम स्वतंत्रता सग्राम और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, हिन्दी नवजागरण, भरतेन्दु युग, द्विवेदी युग एवं छायावाद की प्रवृत्तियॉ एवं अवदान। उत्तर छायावाद कीविविध वैचारिक प्रवृत्तिॉ, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता, प्रमुख साहियकार रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।	12
III	**आदिकालीन कवि :** **विद्यापति :** **(विद्यापति पदावली–संपा :आचार्य रामलोचन शरण)** **क. गंगा वन्दना (बड़ सुखसार पावल तुअ तीरे) ख. श्रीकृष्ण प्रेम, (35), ग. राधा प्रेम. (36)** **गोरखनाथ :** **(गोरखबानी : संपादक पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल गोरखबानी सबदी (संख्या 2,4,7,8,16) पद (राग रामश्री 10,11)** **(अमीर खुसरो–व्यक्तित्व एवं कृतिव : डॉ.परमानन्द पांचाल)** **कव्वाली–घ (1), गीत ड़ (4), (13), दोहे–च (पृष्ठ86), 05 दोहे– गोरी सोवे, खुसरो रैन, देख मैं चकवा चकवी, सेज सूनी।**	10
IV	**भक्तिकालीन सगुण कवि :** **सूरदास :(भ्रमरगीत सार–संपा. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)** **(पद संख्या–07,21,23,24,26)** **गोस्वामी तुलसीदास :** **(श्रीरामचरित मानस–गोस्वामी तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर)** **अयोध्या काण्ड– दोहा संख्या 28 से 41**	
V	**भक्तिकालीन निर्गुण कवि :** **कबीर :**	10

	(कबीरदास–संपा.–श्यामसुंदर दास) क. गुरूदेव को अंग–06,11,16 ख. विरह कौ अंग– 12,20,30 रैदास : (पद– बेगमपुरा शहर को नाउ, दोहा–ऐसा चाहूं राज मैं, रैदास श्रम कर खाइए) मलिक मोहम्मद जायसी : (मलिक मोहम्मद जायसी–संपा–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) मानसरोदक खण्ड (02 से 06 पद तक)	
VI	रीतिकालीन कवि : केशवदासः (कविप्रिया (प्रिया प्रकाश)–लाला भगवानदीन) तृतीय प्रभाव –1,2,4,5 बिहारी लाल : प्रारम्भ के 10 दोहे घनानंदः (घनानंद ग्रन्थावली–संपा. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) सुजानहित–1, 4, 7	11
VII	आधुनिककालीन कवि : भारतेन्दु हरिशचन्द्र :मातृभाषा प्रेमपर दोहे, रोकहूँ जो तो अमंगल होय, ब्रज के लता पता मोहि कीजे। जयशंकर प्रसादः कामायनी के श्रद्धा सर्ग के प्रथम दस पद,आंसू के प्रथम पांच पद सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : वर दे वीणा वादिनी वर दे, स्नेह निर्झर बह गया, वह तोड़ती पत्थर सुमित्रानन्दन पंत :मौन निमंत्रण, प्रथम रश्मि, यह धरती कितना देती है महादेवी वर्मा : बीन हूँ मै तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मैं नीर भरी दुःख की बदली, यह मन्दिरकादीप इसे नीरव जलने दो	12

VIII	**(अ) छायावादोत्तर ककवि और हिन्दी साहित्य में शोध :** अज्ञेय : नदी के द्वीप, यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की मुक्तिबोध : विचार आते हैं,भूल गलती नागार्जुन : अकाल और उसकेबाद, बादल को घिरते देखा है धर्मवीर भारती : बोआई का गीत, कविताकी मौत (दूसरा सप्तक,सम्पादक– अज्ञेय) धूमिल : मोचीराम, रोटी और संसद (ब) हिन्दी साहित्य में शोध शोध का अर्थ और परिभाषा,साहित्य में शोध की प्रविधियां, शोध के अंग और शोध का महत्व	12
	पाठ्यपुस्तक : हिन्दी काव्य **लेखक : प्रो0 अनुराग कुमार एवं प्रो0 निरंजन सहाय** **प्रकाशकः विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी**	

संदर्भ ग्रन्थ :

1. डॉ.नगेन्द्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1976
2. सिह, बच्चन, हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली,1996
3. शक्ल, रामचन्द्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी, 2019
4. तिवारी, रामचन्द्र, हिन्दी गद्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,1992
5. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, हिन्दीसाहित्य और संवेदना का विकास, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2019
6. सिंह, नामवर, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियॉ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011
7. ओझा, डॉ.दुर्गाप्रसाद एवं राय डॉ.अनिल,छायावादोत्तर काव्यप्रतिनिधि रचनाएं,प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ, 2014
8. ओझा, डॉ.दुर्गाप्रसाद, आधुनिक हिन्दी कविता, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ, 2011
9. ओझा, डॉ.दुर्गाप्रसाद एवं डॉ.राजेश, आधुनिक काव्य प्रतिनिधि रचनाऍ, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ, 2014
10. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, हिन्दी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना,1961, तृतीय संस्करण
11. भटनागर, डॉ.रामरतन, प्राचीन हिन्दी काव्य, इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग,1952
12. द्विवेदी, हजारी प्रसाद,हिन्दी साहित्य की भूमिका, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई 1940
13. श्रीवास्तव, डॉ.रणधीर, विद्यापति :एक अध्ययन, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नई दिल्ली, 1991
14. सिह, डॉ.शिवप्रसाद, विद्यापतिः हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, 1957
15. वर्मा, रामकुमार, संत कबीर, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद, 1957
16. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, कबीर, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई, 1946
17. वर्मा, रामकुमार, कबीर का रहस्यवाद, साहित्य भवन, इलाहाबाद,1941
18. वर्मा, रामलाल, जायसी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नई दिल्ली,1979
19. पाठक, शिवसहाय, मलिक मोहम्मद जायसीऔर उनका काव्य, साहित्य भवन, इलाहााद
20. शर्मा, मुंशीराम, सूरदास का काव्य वैभव, ग्रन्थम प्रकाशन, कानपुर,1965
21. किशोरीलाल, सूर और उनका भ्रमरगीत, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1993
22. बााजपेयी, नन्ददुलारे, सर संदर्भ, इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग
23. त्रिपाठी,रामनरेश, तुलसीदास और उनकी कविता (भाग–1) हिन्दी मंदिर, प्रयाग, 1937
24. दीक्षित राजपति, तुलसीदास और उनका युग, ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी, 1953
25. सिन्हा डॉ.अरविन्द नारायण, विद्यापति : युग और साहित्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
26. डॉ.नगेन्द्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

27. चतुर्वेदी रामस्वरूप, हिन्दी साहित्य ओर संवेदना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

28. त्रिगुणायत गोविन्द, कबीर की विचारधारा, साहित्य निकेतन, कानपुर

29. उपाध्याय विशम्भर नाथ, सूर का भ्रमरगीत : एक अन्वेषण, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

30. किशोरीलाल, घनानन्द : काव्य और आलोचना, साहित्य भवन, इलाहाबाद

31. भटनागर रामरतन, केशवदास : ण्क अध्ययन, किताब महल, इलाहाबाद 1947

32. शर्मा किरणचन्द्र, केशवदासः जीवनी, कला और कृतित्व, भारती साहित्य मंदिर, दिल्ली,1961

33. डॉ.नगेन्द्र, कामायनी के अध्ययन की समस्याऍं, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 1962

34. शर्मा, रामविलास, निराला की साहित्य साधना, भाग–2, राजकमल प्रकाशन, नई, 1981, द्वितीय संस्करण

35. गौड़, राजेन्द्र सिंह, आधुनिक कवियों काव्य साधना,श्रीराम मेहता एण्ड संस, आगरा,1953

36. सक्सेना, द्वारिका प्रसाद, हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

37. कुमार विमल, छायावाद का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1970

38. तिवारी, भोलानाथ, प्रसाद की कविता, साहित्य भवन, प्रयागराज

39. डॉ.नगेन्द्र, सुमित्रानंदन पंत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1962

40. शर्मा, रमेश, पंत की काव्य साधना, साहित्य निकेतन, कानपुर

41. तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद, समकालीन हिन्दी कविता, राधाकृष्णन प्रकाशन, नई दिल्ली

42. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, अज्ञेय का रचना संसार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

43. सिंह, विजयबहादुर, नागार्जुन कारचना संसार, सम्भावना प्रकाशन, हापुड़, 1982

44. अष्टेकर, कटघरे का कवि, धूमिल, पंचशील प्रकाशन, जयपुर

45. नवल, नंदशिोर, मुक्तिबोध,साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

46. त्रिपाठी, डॉ.हंसराज, आत्मसंघर्ष कीकविता मुक्तिबोध, मानस प्रकाशन, प्रतापगढ़

47. सिंह, शम्भूनाथ,छायावाद युग, सरस्वती मन्दिर प्रकाशन, वाराणसी, 1962

48. अज्ञेय, दूसरा सप्तक, प्रगति प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रतीक प्रकाशन माला, 1951

49. बिसारिया, डॉ. पुनीत, प्राचीन हिन्दी काव्य, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली, 2007

50. बिसारिया, डॉ. पुनीत, अर्वाचीन हिन्दी काव्य, श्री नटराज प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007

51. बिसारिया, डॉ. पुनीत, काव्य वैभव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2018

52. बिसारिया, डॉ. पुनीत, काव्य मंजुषा, राजकमल प्रकशन, नई दिल्ली, 2017

53. सिंह, डॉ. उदयप्राप, नाथ पंथ और गोरखबानी, आर्यावर्त संस्कृति संस्थान, नई दिल्ली

54. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांटिक पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, 2007

This course can be opted as an eletive by the students of following subjects :

इंटरमीडियेट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के चयन कर सकते हैं

	Suggested Continuous Evaluation Methods : **लिखित परीक्षा, परियोजा कार्य, दक्षता परीक्षण**
	Suggested Continuous Evaluation Methods : **1. कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य** **2. वाचन**
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject . . . . in class/12th/certificate/diploma **सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)**
Suggested equivalent online courses :	

Further Suggestions :

.....

समान्य अनुदेश समय : 3 घंटे	
	पूर्णांक 75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (अधिकतम 50 शब्द)	5 x 2= 10
लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 100 शब्द)	5 x 5 = 25
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 400 शब्द)	4 x 10= 40
मध्यावधि परीक्षण (Mid Term Test)	पूर्णांक 25
1. मिड– टर्म परीक्षा हेतु 25 अंक निर्धारित है। मिड–टर्म परीक्षा का स्वरूप निम्नवत है – 2. 1 05 अंक का बहुविकल्पीय प्रश्न–पत्र निर्मित कर मूल्यांकन होगा। (इस हेतु 10–10 प्रश्न के दो बहुविकल्पीय प्रश्न–पत्र सेट बनाये जायेंगें) 3. 2 05 अंक का आवंटन सेमिनार/लेखन क्षमता हेतु निर्धारित है। 4. 3 10 अंक का परियोजना कार्य (05 अंक का अधिन्यास लेखन +05 अंक की मौखिकी परीक्षा/प्रस्तुतीकरण) 5. छात्र/छात्राओ को आवंटित कर मूल्यांकन किया जाएगा। 6. 4 05 अंक का आवंटन छात्र/छात्राओं की उपस्थिति/अन्य शैक्षिक गतिविधियों हेतु निर्धारित है।	

At the End of the whole syllabus any remarks/suggestions.

.....

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA I YEAR	SEMESTER: II
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010201T	COURSE TITLE: कार्यालयी हिन्दी और कम्यूटर	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

हिन्दी के विद्यार्थियों को कार्यालय के कार्यो की मूलभूत जानकारी प्रदान करना ताकि वह कार्यालय के कार्यो को सुममतापूर्वक कर सके एवं उन्हें कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञान देना तथा उन्हें कम्प्यूटर पर हिन्दी में कार्य करने में सक्षम बनाना ताकि वे कम्प्यूटर पर कार्य करने में सक्षम होकर रोजगार प्राप्त कर सकें।

1 इकाई 1

हिन्दी के प्रयोजनमूलक प्रकार्यों के विद्यार्थियो को परिचित करना तथा रोजार प्राप्ति में इसकी उपयोगिता से अवगत कराना।

2 इकाई 2

सुनिर्दिष्ट संस्थाओं एवंउनके कार्यालयी हिन्दी के अनुप्रयोगों से परिचित कराना।

3 इकाई 3

विद्यार्थियों में विभिन्न पत्र–प्रारूपों कोसमझने एवं उनके अनुप्रयोग की क्षमता विकसित करना।

4 इकाई 4

सरकारी कार्यालयो में प्रयोग की जाने वाली हिन्दी की विभिन्न युक्तियों से अवगत कराना।

5 इकाई 5

हिन्दी की तकनीकी उपादेयता में कम्प्यूटर के महत्व से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

6 इकाई 6

इंटरनेट और हिन्दी भाषा कीसम्भावनाओं से परिचित कराना।

7 इकाई 7

ई–शिक्षण के माध्यम से ऑनलालइन लर्निंग के आदान–प्रदान, प्रक्रिया और प्रभाव से अवगत कराना।

8 इकाई 8

हिन्दी में टैक्स के नए और उपयोगिता के अनुकूल तकनीकियों से परिचित कराना।

अध्ययन परिणाम :

1 इकाई 1

अध्ययनोपरांत विद्यार्थी कार्यालयी हिन्दी की उपादेयता और आर्थिक स्वावलंबन प्राप्त करने मे इसकी व्यवाहार्यता को समझ सकेगे।

2 इकाई 2

अध्ययनोपरांत विद्यार्थी विभिन्न सरकारी गैर सरकारी कार्यालयों में सचिवालीय क्रियाकलापों के व्यावहारिक रूप को सीखने में सक्षम हो सकेंगे।

3 इकाई 3

अध्ययनोपरांत विद्यार्थी विभिन्न प्रारूपों को सीख सकेंगे।

4 इकाई 4

अध्ययनोपरांत विद्यार्थी कार्यालयी/सचिवालीय हिन्दी के भाषा व्यवहार को व्यावहारिक रूप से सीख–समझ सकेंगे।

5 इकाई 5

अध्ययनोपरांत विद्यार्थी कम्प्यूटर के साथ हिन्दी भाषा के तकनीकी–तालमेल के विधिवत परिचित हो सकेंगे।

6 इकाई 6

अध्ययनापरांत विद्यार्थी इंटरनेट की विभिन्न पटलों पर हिन्दी की उपस्थिति इसकी सीमाओं और सम्भावनाओं से अवगत हो सकेंगे विस्तृत पाठक वर्ग तक हिन्दी को पहुंचाने के लिए इसके निहित अवसरों को जान सकेंगे।

7 इकाई 7

अध्ययनोपरांत विद्यार्थी विभिन्न सोशन मीडिया पटलों पर हिन्दी में अभिव्यक्ति के कला और कौशल को पहचान सकेंगे। अध्ययन अध्यापन के अलावा स्वतंत्र रूप से रोजगार एवं अथिक उपागम की क्षमता विकसित कर सकेंगें।

8 इकाई 8

अध्ययनोपरांत विद्याार्थी हिन्दी भाषा के स्वरूप से परिचित हो सकेंगे। तेज और सही टंकण के लिए विभिन्न तकनीकी सुविधाओं का प्रयोग करना जान सकेंगे।

CREDITS: 6	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**कार्यालयी हिन्दी का स्वरूप उद्देश्य एवं क्षेत्र :**	12

	कार्यालयी हिन्दी की संकल्पना उद्देश्य एवं क्षेत्र कार्यालयी हिन्दी तथा सामान्य हिन्दी का सम्बन्ध कार्यालयी हिन्दी की सम्भावनाएं कार्यालयी कार्यकलाप की समान्य जानकारी	
II	कार्यालयी हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली : शब्दावली निर्माण के सिद्धान्त कार्यालयी हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली कार्यालयों एवं अधिकारियों के नाम पदनाम, सम्बोधन आदि प्रशासनिक विधिक शब्दावली	12
III	कार्यालयी हिन्दी पत्राचार : आवेदन पत्र सरकारी पत्र अर्द्ध सरकारी पत्र कार्यालय आदेश परिपत्र अधिसूचना कार्यालय ज्ञापन विज्ञापन निविदा संकल्प प्रेस विज्ञप्ति	10
IV	प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन, प्रतिवेदन तथा स्ववृतः : प्रारूपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारूपण लेखन की पद्धति टिप्पण का अर्थ, सामान्य परिचय, टिप्पण लेखन की पद्धति, टिप्पण और टिप्पणी में अंतर संक्षेपण का अर्थ, सामान्य परिचय, संक्षेपण की पद्धति पल्लवन का अर्थ, सामान्य परिचय, पल्लवन के सिद्धान्त, पल्लवन और निबंध लेखन में अंतर प्रतिवेदन का अर्थ, सामान्य परिचय एवं प्रयोग स्ववृत्त निर्माण	11
V	हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर का विकासक्रम : कम्प्यूटर का समान्य परिचय और इतिहास कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा के विकास का इतिहास कम्प्यूटर में हिन्दी का भविष्य	10
VI	हिन्दी भाषा मे कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी : इंटरनेट और हिन्दी, ई–मेल हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं वेबसाइट, हिन्दी में सम्बन्धित वेबसाइटें सोशल मीडिया पर हिन्दी लेखन कौशल	11

VII	हिन्दी भाषा और ई शिक्षण : इंटरनेट पर उपलबध पत्र–पत्रिकाएँ इंटरनेट पर उपलब्ध दृश्य–श्रव्य सामग्री ब्लॉग, फेसबुक पेज, ई–पुस्तकालय सामग्री स्रकारी तथा गैर सरकारी चैनल (ज्ञानदर्शन, ई पाठशाला, स्वयं, मूक्स आदि), पाडकास्ट, आभासी कक्षाएं	12
VIII	(अ) हिन्दी कम्प्यूटर टंकण एवं शार्टहैण्ड का सैद्धांतिक पक्ष और हिन्दी साहित्य में शोधः हिन्दी भाषा के विभन्न फॉण्ट यूनिकोड स्पीच टू टैक्स्ट प्रौद्योगिकी, ओ.सी.आर. (हिन्दी) हिन्दी पी पी टी स्लाइड एवं पोस्टर निर्माण (ब) हिन्दी साहित्य में शोध शोध के प्रकार (परिकल्पना परीक्षण और परिकल्पना उत्पादन), शोध के चरण, साहित्यिक शोध के उद्देश्य	12
	पाठ्य पुस्तक कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर लेखक : प्रो0 निरंजन सहाय प्रकाशक : लोकभारती, प्रयागराज	

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. सगर, रामचन्द्र सिंह,कार्यालयकार्य विधि, आत्माराम एवंसंस, नई दिल्ली, 1963
2. शर्मा, चंद्रपाल, कार्यालय हिन्दी की प्रकृति, समता प्रकाशन, दिल्ली, 1991
3. प्रज्ञा पाठमाला, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
4. गोदरे, डॉ.विनोद, प्रयोजनमूलक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009
5. झाल्टे, दंगल, प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016 पंचम सं0
6. सोनटक्के, डॉ. माधव, प्रयोजनमूलक हिन्दीः प्रयुक्ति और अनुवाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. भाटिया, कैलाश चन्द्र, प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रक्रिया और स्वरूप , तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
8. जैन, डॉ. संजीव कुमार, प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी एवं कम्प्यूटिंग, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल
9. मल्होत्रा, विजय कुमार, कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. गोयल संतोष, हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली
11. हरिमोहन, आधुनिक जनसंचार और हिन्दी, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
12. हरिमोहन, कम्प्यूटर और हिन्दी, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
13. शर्मा, पी.के. कम्प्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा सिद्धान्त, डायनामिक पब्लिकेशन्स,नई दिल्ली
14. संजय द्विवेदी, (संपा), सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद, नेहा पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली
15. शुक्ल सौरभ, नए जमाने की पत्रकारिता, विजडम विपेज पब्लिकेशन्स, दिल्ली

16. कुमार सुरेश, इंटरनेट पत्रकारिता, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
17. श्रीवास्तव गोपीनाथ, कम्प्यूटर का इतिहास और कार्यविधि, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली
18. विसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांटिक पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा0लि0, नई दिल्ली, 2007

	This course can be opted as an elective by the students of following subjects: **इंटरमीडियेट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।**	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: **लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण**	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: **कार्यालय की कार्यविधि का कार्यालयों मे जाकर प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त करना, कम्प्यूटर की मूलभूत जानकारी प्राप्त करना, प्रायोगिक एवं परियोजना कार्य, कम्प्यूटर टाइपिंग, पी पी टी वं पोस्टर बनाना**	
	Course prerequisites :To study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma **सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)**	
	Suggested equivalent online courses :	
	Further Suggestions	

At the End of the whole syllabus any remarks/suggestions:

सामान्य अनुदेश **समय : 3 घंटे**	
	पूर्णांक 75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (अधिकतम 50 शब्द)	5 x 2= 10
लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 100 शब्द)	5 x 5 = 25
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 400 शब्द)	4 x 10= 40

मध्यावधि परीक्षण (Mid Term Test)	पूर्णांक 25
मिड– टर्म परीक्षा हेतु 25 अंक निर्धारित है। मिड–टर्म परीक्षा का स्वरूप निम्नवत है – 2. 1 05 अंक का बहुविकल्पीय प्रश्न–पत्र निर्मित कर मूल्यांकन होगा। (इस हेतु 10–10 प्रश्न के दो बहुविकल्पीय प्रश्न–पत्र सेट बनाये जायेंगें) 3. 2 05 अंक का आवंटन सेमिनार/लेखन क्षमता हेतु निर्धारित है। 4. 3 10 अंक का परियोजना कार्य (05 अंक का अधिन्यास लेखन +05 अंक की मौखिकी परीक्षा/प्रस्तुतीकरण) 5. छात्र/छात्राओ को आवंटित कर मूल्यांकन किया जाएगा। 4 05 अंक का आवंटन छात्र/छात्राओं की उपस्थिति/अन्य शैक्षिक गतिविधियों हेतु निर्धारित है।	

	BA II YEAR	SEMESTER III
SUBJECT : HINDI		
COURSE CODE A010301T	**COURSE TITLE**	**हिन्दी गद्य**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : हिन्दी के विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य की सभी विधाओ का सम्यक ज्ञान देना तथा उन्हें हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों , कथाकारो, नाटककारों एवं एंकांकीकारों, निबन्धकारों एवं अन्य गद्य विधाओं के लेखकों के महत्वपूर्ण प्रदेय से परिचित कराना ताकि विद्यार्थी इन सभी विधाओं से परिचित हो सकें और इस क्षेत्र में कैरियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी इस हेतु तैयार हो सकें।

1 इकाई 1

गद्य की वैचारिकता के बिन्दुओ का अवगाहन एवं विभिन्न गद्य विधाओं की समझ देशज निर्मितियों के आलोक में वैश्विक साहित्य के समानांतर राष्ट्र–राज्य की साहित्यिक विधाओं की परम्परा समझाना।

2 इकाई 2

विभिन्न गद्य विधाओ का परिचय हासिल करना ताकि विभिन्न अभिव्यक्ति माध्यमों के लिए विधागत कौशलों की जमीन तैयार हो सके।

3 इकाई 3

चयनित कहानियों कीकला भूमि से गुजरते हुए सौन्दर्यबोध एवं मूल्यबोध अर्जित करना।

4 इकाई 4

नाटक एवं एंकांकी के माध्यम से उन रोजकारोन्मुचा पहलुओं से परिचित होना जिनकी जरूरत समकालीन अभिव्यक्ति माध्यमों के हैं।

5 इकाई 5

हिन्दी निबंध संसार की चयनित रचनाओं से गुजरकर भारतीय मूल्य चेतना और तार्किकता को समझना।

6 इकाई 6 एवं 8

विभिन्न गद्य विधाओं के कतिपय उदाहरणों से गुजरकर समग्र विधागत समझ बनाना।

7 इकाई 7

दलित चेतना, तर्क–पद्धति और संवैधानिक मूल्यों को आत्मकथा जैसी विधा से हासिल करना।

अध्ययन परिणाम :

1 इकाई 1

विभिन्न साहित्यिक विधाओं की समग्र समझ।

2 इकाई 2

विधाओं के इतिहास और कला चेतना के अन्योन्याश्रित सम्बन्ध की समझ

3 इकाई 3

आलोचना, उपन्यास, कहानी, एकांकी की प्रतिनिधि रचनाओं के माध्यम से समय–चेतना की समझ।

4 इकाई 4

निबंधों के माध्यम से तार्किकता और मूल्य चेतना की सम्पदा–प्राप्ति।

5 इकाई 5,6,7,8

रेखाचित्र, संस्मरण, रिपोर्ताज, यात्रा वृतांत जैसी आधुनिक गद्य विधाओ से साहित्य, संस्कृति और संवैधानिक मूल्यों की समझ।

CREDITS 6	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS 1 + 3

Total No. of Lectures - Tutotials- Practical (in hours per week): 3- pt. 2-1- etc.

Units	Topic	No. of Lectures
I	• कहानी • उपन्यास • नाटक • एकांकी • आलोचना • निबंध • यात्रा वृतांत • संस्मरण • रेखाचित्र • डायरी • रिपोर्ताज • आत्मकथा • जीवनी	12
II	हिन्दी गद्य की महत्वपूर्ण विधाओं का संक्षिप्त परिचय : • हिन्दी कहानी का उद्‌भव और विकास • हिन्दी उपन्यास का उद्‌भव और विकास • हिन्दी नाटक का उद्‌भव और विकास • हिन्दी आलोचना का उद्‌भव और विकास	12

	• हिन्दी की अन्य गद्य विधाओं का उद्‌भव और विकास	

III	हिन्दी उपन्यास : • महाभोज (मन्नू भण्डारी), राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली	**10**
IV	हिन्दी कहानी : • पंच परमेश्वर– प्रेमचन्द • पाजेब–जैनेन्द्र • गैंग्रीन/रोज– अज्ञेय • परदा– यशपाल • तीसरी कसम– रेणु • पिता – ज्ञान रंजन • वापसी– उषा प्रियंबदा फूलवा– रतन कमार सांभरिया	**11**
V	हिन्दी नाटक एवं एकांकी : नाटक : • रक्त कमल– लक्ष्मीनारायण लाल, राजकमल प्रकाशन एकांकी • दीपदान– डॉ. रामकुमार वर्मा • लक्ष्मी का स्वागत– उपेन्द्रनाथ अश्क	**10**
VI	हिन्दी निबंधः • भारतवर्षान्नति कैसे हो सकती है–भारतेन्दु हरिश्चन्द्र • मित्रता–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल • अशोक के फूल–डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी • उत्तरा फाल्गुनी के आसपास–कुबेरनाथ राय • तुम चन्दन हम पानी–डॉ. विद्यानिवास मिश्र	**11**
VII	अन्य गद्य विधाएँ– प्रथम खण्ड • रेखाचित्र : किताब (महादेवी वर्मा–गिल्लू) मेरा परिवार (लोकभारती प्रकाशन,प्रयागराज,संस्करण : 2008) • संस्मरण (तीस बरस का साथी–रामविलास शर्मा) लेखक : अमृतलाल नागर • हिन्दी समय डॉट कॉम, महात्मा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र • जीवनी अंश(अमृत राय– कलम के सिपाही) चयनित अंश– करमुँह धो–हम दोनों घर आयें..... गुड़ जरूरी था, पृष्ठ संख्या–17 से 21 तक (लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, संस्करण–2021) • रिपोर्ताज (रेणु–ऋण जल धन जल)	**12**

	(चयनित अंश– जो बोले सो निहाल पृष्ठसंख्या–34) राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण :2021 • (हरिशंकर परसाई–पगडंडियों का जमाना) (चयनित अंश–समय पर मिलने वाले पृष्ठ संख्या–49) (राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली, संस्करण:2021)	

VIII	अन्य गद्य विधाएँ– द्वितीय खण्ड • यात्रा वृत्तान्त (मेरी तिब्बत यात्रा – राहुल सास्कृतायन) (चयनित अंश : ल्हासा से उत्तर की ओर) (लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, संस्करणः मार्च2021) • (मुर्दहिया : तुलसीराम)(चयनित अंश– मुर्दहिया तथा स्कूली जीवन खण्ड से स्कूल ले जाने से पहले पिताजी गॉव के ..... कुछ और न बन पाता तक, पृष्ठ संख्या 22 से 36 तक)(राजकमल प्रकाशनः नई दिल्ली, संस्करणः2010)	**12**
	पाठ्यपुस्तक : हिन्दी गद्य स्वरूप, इतिहास एवं चयनित रचनाएँ लेखक : प्रो. निरंजन सहाय प्रकाशक : लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज	

संदर्भ ग्रन्थः

1. अन्धेर नगरी, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी नाटक साहित्य का इतिहास, सामनाथ गुप्ता , इन्द्रा चन्द्र नारंग, इलाहाबाद
3. हिन्दी नाटक : उद्‌भव एवं विकास, डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली
4. आधुनिक हिन्दी नाटकों में प्रयोगधर्मिता, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. हिन्दी नाटक और रंगमंच, ब्रजराज किशोर, जनप्रिय प्रकाशन
6. समकालीन हिन्दी नाटककार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिन्दी एंकांकी की शिल्प विधि का विकास, सिद्धनाथ विकास, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद
8. एकांकी एवं एकांकीकार, डॉ.रामचरण महेन्द्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. हिन्दी एकांकी : उद्‌भव और विकास, डॉ.रामचरण महेन्द्र, साहित्य प्रकाशन, दिल्ली
10. निबंध निकष : डॉ. पुनीत बिसारिया, शब्द सेतु प्रकाशन, नई दिल्ली

11. निबंध संग्रह : डॉ. पुनीत बिसारिया, श्री नटराज प्रकाशन, नई दिल्ली
12. प्रकीर्ण विविधा, डॉ.पुनीत बिसारिया, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
13. हिन्दी रंगमंच की भूमिका, लक्ष्मीनारायण लाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
14. हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
15. हिन्दी गद्य विन्यास और विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
16. पारम्परिक भरतीय रंगमंच, कपिला वात्स्यायन, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली
17. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी
18. आधुनिक भारतीय रंगलोक, जयदेव तनेजा, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
19. हिन्दी निबन्ध और निबन्धकार, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
20. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियॉ, नामवर सिंह, लोक भारती प्रकाशन,इलाहाबाद
21. हिन्दी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन, बाबूराम, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
22. हिन्दी नाटक के सौ साल (दो भागों में),सं. महेश आनन्द,राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, दिल्ली
23. हिन्दी उपन्यास काविकास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
24. उपन्यास का काव्यशास्त्र, बच्चनसिंह , राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली
25. उपन्यास का उदय, आयन वॉट (अनू, धर्मपाल सरीन), हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला, हरियाणा
26. कहानी नई कहानी, नामवर सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
27. बीसवीं शताब्दी का इतिहास, विजयमोहन सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
28. हिन्दी कथा साहित्य का इतिहास, हेतु भारद्वाज, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
29. आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास, इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
30. उपन्यास का पुनर्जन्म, परमानन्द श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
31. हिन्दी उपन्यास का स्त्री पाठ, रोहिणी अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
32. भूमंडलात्तर कहानी, राकेश बिहारी, आधार प्रकाशन, पंचकुला
33. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, बच्चन सिंह, लोक भारती प्रकाशन,प्रयागराज
34. गद्यविन्यास और विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज
35. दृश्य सप्तक, के.सत्य नारायण (संपा.) दक्षित भारत हिदी प्रसार सभा, मद्रास
36. आठ एंकांकी नाटक, डॉ. रामकुमार वर्मा, स्त्रोत : ई–पुस्तकालय
37. मेरा परिवार, महादेवी वर्मा, लोक भारती प्रकाशन
38. रक्त कमल, लक्ष्मीनारायण लाल, राजकमल प्रकाशन

31.

	Suggested Continuous Evaluation Methods : **लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण**	
	Suggested Continuous Evaluation Methods : **1.कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य** **2 वाचन**	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject . . . . in class/12th/certificate/diploma **सभी के लिये (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)**	
Suggested equivalent online courses :		

Further Suggestions :

.....

सामान्य अनुदेश समय : 3 घंटे	
	पूर्णांक 75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (अधिकतम 50 शब्द)	5 x 2= 10
लघु उत्तरीय प्रश्न प्रश्न (अधिकतम 100 शब्द)	5 x 5 = 25
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 400 शब्द)	4 x 10= 40
मध्यावधि परीक्षण (Mid Term Test)	पूर्णांक 25
मिड– टर्म परीक्षा हेतु 25 अंक निर्धारित है। मिड–टर्म परीक्षा का स्वरूप निम्नवत है – 1 05 अंक का बहुविकल्पीय प्रश्न–पत्र निर्मित कर मूल्यांकन होगा। (इस हेतु 10–10 प्रश्न के दो बहुविकल्पीय प्रश्न–पत्र सेट बनाये जायेंगें) 2 05 अंक का आवंटन सेमिनार/लेखन क्षमता हेतु निर्धारित है। 3 10 अंक का परियोजना कार्य (05 अंक का अधिन्यास लेखन +05 अंक की मौखिकी परीक्षा/प्रस्तुतीकरण) छात्र/छात्राओ को आवंटित कर मूल्यांकन किया जाएगा। 4 05 अंक का आवंटन छात्र/छात्राओं की उपस्थिति/अन्य शैक्षिक गतिविधियों हेतु निर्धारित है।	

At the End of the whole syllabus any remarks/suggestions.....

	BA II YEAR	SEMESTER IV
SUBJECT : HINDI		
COURSE CODE A010401T	**COURSE TITLE:** हिन्दी अनुवाद	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

विद्यार्थियों को हिन्दी के साथ–साथ अंग्रेजी की प्रारम्भिक जानकारी प्रदान करतें हुए वैश्विक प्रतिस्पर्धा वातावरण के साथ सांमंजस्य स्थापित करने में सक्षम बनाना तथा भरतीय संस्कृति और साहित्य के प्रचार–प्रसार में सहायक बनाना।

1 इकाई 1, 2

अनुवाद की अवधारणा इसके महत्व, आयामों एव रोजगार की सम्भावनाओं से विद्यार्थियोंको अवगत कराना तथा अनुवाद की तकनीमि समस्याओं से अवगत कराना।

2 इकाई 3,4

अनुवाद के सामाजिक, सांस्कृतिक अभिप्रायों को स्पष्ट करना, अन्तर्राष्ट्रीय एवं स्थानीय सम्बन्धो में अनुवाद की ऐतिहासिक भूमिका को तय करना और बहुलतावादी लोकतांत्रिक राष्ट्र में भाषा और वर्चस्व के अनिवार्य सम्बन्धों को उदृघाटित करना।

3 इकाई 6

टनुवाद में विभिन्न प्रकार के कोशों की भूमिका एवं उनके प्रकार्यो से अवगत कराना।

4 इकाई 7,8

विभिन्न प्रकार के कार्यालयी अनुवादों के तकनीकी/सैद्धान्तिक पक्षों से अवगत कराना।

अध्ययन परिणाम :

1 इकाई 1, 2

अध्ययनोपरांत विद्यार्थी अनुवाद की मूलभूत अवधारणा को समझ सकेंगे तथा वैश्विक पटल पर इसकी सम्भावनाओं, सीमाओ एवं रोजगारपरकता का संज्ञान कर पायेंगे।

2 इकाई 3

अध्ययनोपरांत विद्यार्थी सामाजिक–सांस्कृतिक सम्बन्धों तथा अंतर्विरोधों को समझने में समर्थ होंगे साथ ही एक लोकतांत्रिक राष्ट्र–समाज में भाषाई वर्चस्ववाद और इसके बहाने थोपे जाने वाले भाषाई–सांस्कृतिक सम्राज्यवाद को विश्लेषित करते हुए प्रखर बौद्धिक एवं चिंतक व्यक्तित्व प्राप्त करने में समर्थ हो सकेंगें।

3 इकाई 4,5,6

अध्ययनोपरांत विद्यार्थी अुवाद की सटीकता एवं विषय–वस्तु से सम्बद्धता को समझतें हुए अनुवाद–कौशल विकसित कर सकेंगे।

4 इकाई 7, 8

अध्ययनोपरांत विद्यार्थी विभिन्न प्रकार के कार्यालयी अनुवादों के सैद्धान्तिक एवं तकनीकी पद्वाों को जान सकेंगे और अभ्यास–कार्य के माध्यम सेदक्ष अनुवादक के रूप में विकसित हो सकेंगे।|

CREDITS 6	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS 1 + 3

Total No. of Lectures - Tutotials- Practical (in hours per week): 3- pt. 2-1- etc.		
Units	**Topic**	**No. of Lectures**
I	अनुवाद की अवधारणा : अनुवाद : परिभाषा, स्वरूप अनुवाद का महत्व अनुवाद के अन्य रूप : लिप्यंतरण, मशीनी अनवाद आदि अनुवादक के गुण, दायित्व और अपेक्षाएं अनुवाद मे रोजगार की सम्भावनाएं	12
II	अनुवाद : प्रक्रिया प्रकार सीमाएँ अंग्रेजी–हिन्दी अनुवाद की समस्याएं और समाधान	12
III	अनुवाद का समाजिक–सांस्कृतिक संदर्भ : संस्कृति, साहित्य और भाषा अनुवाद और संस्कृति अनुवाद और समाज अनुवाद, भाष, वर्चस्व और प्रतिरोध बहुभाषिक समाज में अनुवाद	10

IV	अनुवाद के साधन : अनुवाद में कोश का महत्व कोशों के प्रकार कोशों के उपयोग संकेत प्रणाली शब्दकोश के उपयोग थिसॉरस के उपयोग पर्यायकोश के उपयोग उच्चारणकोश के उपयोग भाषिककोश के उपयोग विषयकोश के उपयोग परिभाषाकोश के उपयोग विश्वकोश के उपयोग साहित्यकोश के उपयोग मिथककोश के उपयोग पुराणकोश के उपयोग	**11**

V	पारिभाषिक शब्दावली : पारिभाषिक शब्द तात्पर्य तथा लक्षण समान्य शब्दों तथा पारिभाषिक शब्दों की अनुवाद की भूमिका पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया	10
VI	अनुवाद का पुनरीक्षण, मूल्यांकन तथा समीक्षा : पुनरीक्षण मूल्यांकन समीक्षा	11
VII	टनुवाद सैद्धांतिकी–एक : (हिन्दी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिन्दी) प्रशाससनिक अनुवाद बैंकिंग अनुवाद विधि अनुवाद ज्ञान , विज्ञान तथा तकनीकी अनुवाद	12
VIII	अनुवाद सैद्धांतिकी–दो : (हिन्दी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिन्दी) स्माजिक वंसांस्कृतिक विषयों का अनुवाद सर्जनात्मक अनुवाद	12

संदर्भ ग्रन्थ :

1. तिवारी भोलेनाथ,अनुवाद विज्ञान, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली,1972
2. समीर श्री नारायण, अनुवार की प्रकिया, तकनीक और समस्याएं, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2012
3. पालीवाल डॉ. रीतारानी,अनुवाद की प्रकिया और परिदृश्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
4. गुप्ता डॉ. गार्गी, तिवारी डॉ.भेलानाथ, अनुवाद का व्याकरण, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली,1994
5. कुमार डॉ.सुरेश, अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
6. तिवारी भोलानाथ, चतुर्वेदी महेन्द्र, काव्यानुवाद की समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, नई दिल्ली, 4980
7. कुमार, डॉ. सुरेश, अनुवाद और पारिभाषिक शब्दावली, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1997
8. तिवारी भोलानाथ, चतुंर्वेदी महेन्द्र, परिभाषिक शब्दावली : कुछ समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1973
9. तिवारी भोलानाथ, कुमार कृष्ण, कार्यालयी अनुवाद कीसमस्या, शब्दकार प्रकाशन,दिल्ली, 1987
10. चौधरी डॉ. प्रवीण, कार्यालयी भाषा और अनुवाद, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद, 2012
11. टंडन पूरनचद, भाषा दक्षता (भाग 01 से 04), किताब घर प्रकाशन,दिल्ली, 2018
12. टंडन पूरनचन्द एवं सेठी डौ. हरीश कुमार, अनुवाद के विविध आयाम, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
13. कुंचिपादम सीता, बैंकों में अनुवाद प्रविधि, भारतीय अनवाद परिषद, दिल्ली,1991
14. बिसारिया, डॉ. पुनीत, अनुवाद और हिन्दी साहित्य, अनंग प्रकाशन, दिल्ली, 2018
15. अग्रवाल कुसुम, अनुवाद शिल्प : समकालीन सन्दर्भ, साहित्य प्रकाशन, दिल्ली, 1997
16. बिसारयिा, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांतिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा0लि0, नई दिल्ली, 2007

.https://shabdavali.rbi.org.in/ (.https://shabdavali.rbi.org.in/ (**बैंकिंग शब्दावली**) 18.https://rajbhasha.gov.in/hi/hindi-vocabulary (**विभिन्न परिभाषिक शब्दकोश**) 19.https://www.collinsdictionary.com/hi/dictionary/english-hindi (**अंग्रेजी–हिन्दी शब्दकोश**) 20.https://www.oxfordlearnerdictionaries.com/us/ (**अंग्रेजी–हिन्दी शब्दकोश**)

सामान्य अनुदेश समय : 3 घंटे	
	पूर्णांक 75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (अधिकतम 50 शब्द)	5 x 2= 10
लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 100 शब्द)	5 x 5 = 25
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 400 शब्द)	4 x 10= 40
मध्यावधि परीक्षण (Mid Term Test)	**पूर्णांक** 25
मिड– टर्म परीक्षा हेतु 25 अंक निर्धारित है। मिड–टर्म परीक्षा का स्वरूप निम्नवत है – **1 05 अंक का बहुविकल्पीय प्रश्न–पत्र निर्मित कर मूल्यांकन होगा। (इस हेतु 10–10 प्रश्न के दो बहुविकल्पीय प्रश्न–पत्र सेट बनाये जायेंगे)** **2 05 अंक का आवंटन सेमिनार/लेखन क्षमता हेतु निर्धारित है।** **3 10 अंक का परियोजना कार्य (05 अंक का अधिन्यास लेखन +05 अंक की मौखिकी परीक्षा/प्रस्तुतीकरण)** **छात्र/छात्राओ को आवंटित कर मूल्यांकन किया जाएगा।** **4 05 अंक का आवंटन छात्र/छात्राओं की उपस्थिति/अन्य शैक्षिक गतिविधियों हेतु निर्धारित है।**	

	Suggested Continuous Evaluation Methods : **लिखित परीक्षा, परियोजनाकार्य , दक्षता परीक्षण**	
	Suggested Continuous Evaluation Methods : **1. कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजन कार्य** **2. वाचन**	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject . . . . in class/12th/certificate/diploma	

	सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	
Suggested equivalent online courses :		
Further Suggestions :		

At the End of the whole syllabus any remarks/suggestions.

.....

PROGRAMME/CLASS:	BA III YEAR	SEMESTER: V
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010501T	COURSE TITLE: साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : इस पाठ्यक्रम केअध्ययन से विद्यार्थी साहित्यशास्त्र एवं आलोचना के अर्थ, महत्व और उनके विषाय क्षेत्र से परिचित हो सकेंगें तथा वेहिन्दीआलोचना के रूप में भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र आधुनिक विकास के विविध रूपों और दिशाओं का साक्षत्कार कर सकेंगे।

1 इकाई 1

उक्त पाठ्यक्रम के अधार पर विद्यार्थी काव्य का उद्देश्य, उसके स्वरूप एवं उसकी उत्पत्ति के संदर्भ में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इकेसाथ ही काव्य और समाज के अन्तःसम्बन्ध की जानकारी प्राप्त होगी। किसी भी विधा को इसलिए पढ़ा जाता है कि उपकी समाजिक उपादेयता क्या हो? कविता से नैतिकता के विकास की सम्भावनाएं बढ़ सकती हैं।

2 इकाई 2

अलंकार , रस, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति एवं औचित्य काअध्ययन करने से विद्यार्थी को भाषा की समझ के साथ–साथ काव्य के मानवीय पक्ष की जानकारी प्राप्त होती है।

3 इकाई 3

इस यूनिट में काव्य के गुण एवं दोषों पर चर्चा होगी है। इसमें विद्यार्थियों को भाषा एवं साहित्य के सम्बन्ध में समझ विकसितकरने का मौका मिलेगा।

4 इकाई 4

नाट्य विधा द्वारा विद्यार्थी अनेक सामाजिक समस्याओं का स्वस्थ समाधाान तलाश सकता है। उन समस्याओं को ढंग सेप्रचारित–प्रसारित कर लोगों को जागरूक कर सकता है।

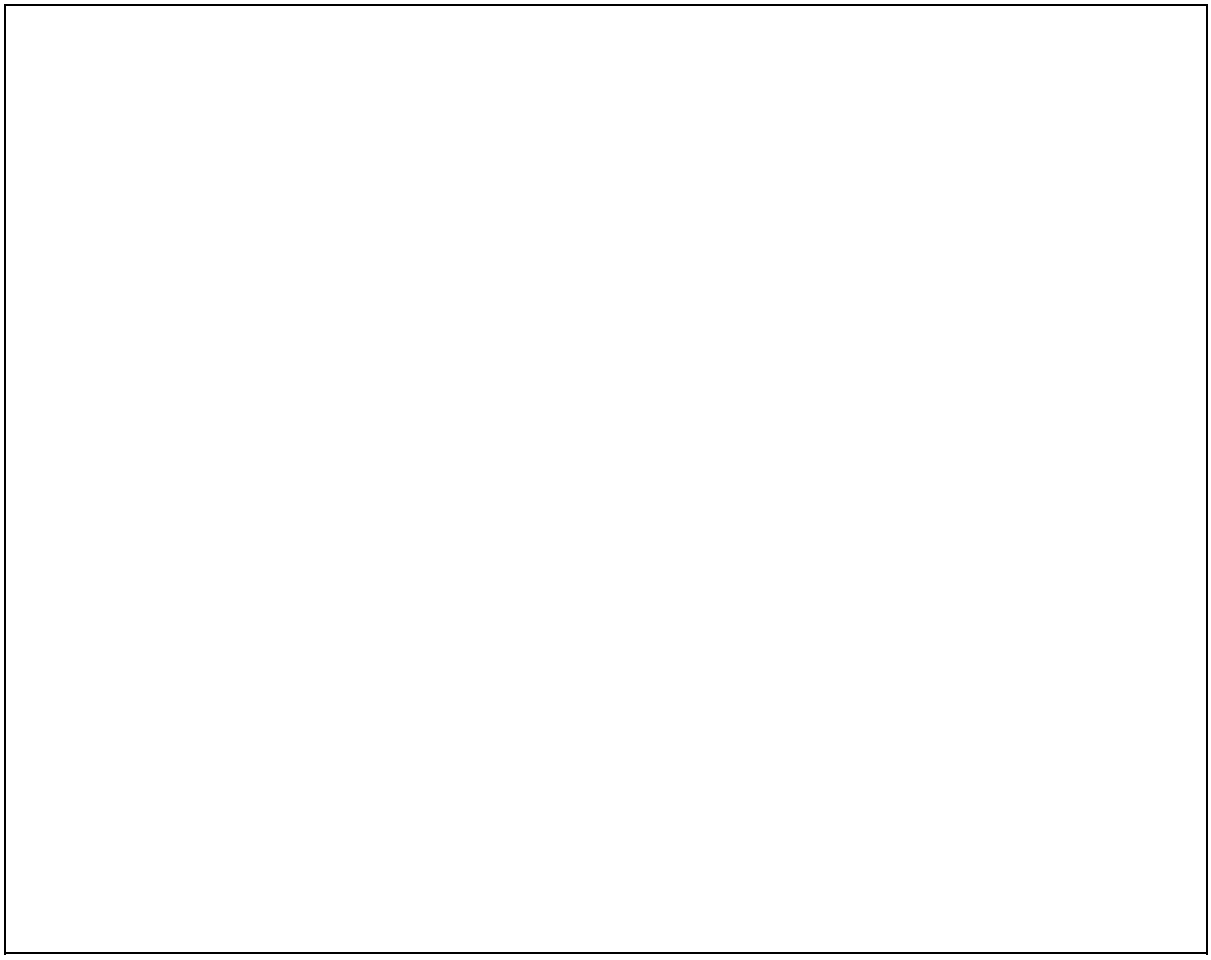

5 इकाई 5

पाश्चात्य काव्यशास्त्र के माध्यम से विद्यार्थी यह सीखताहे कि विरेचन, अनुकरण, कल्पना और संप्रेषण का जीवन एवंसमाज केसाथ क्या अंतःसम्बन्ध है। इस यूनिट के अध्ययन के पश्चात समाज के विकास की दिशा एवं दशा का ज्ञान होना है।

6 इकाई 6

आलोचना कमेाध्यम से स्वस्थ विकास की सम्भावनाओं की तलाश की जायेगी। बिना आलोचना के समाज को बेहतर नहीं किया जा सकता है।

7 इकाई 7

इस यूनिट में नइ समीक्षाा के द्वारा नई–नई तकनीक की जाानकारी होती है। समाज के साथ–साथ समाज की अनेक गतिविधियों को सीखन का अवसर मिलता है।

8 इकाई 8

भारतीय और पाश्चात्य सिद्धांतों और आलोचकों के दृष्टिकोण के आलेक में भारतीयता, विश्व दृष्टि एवं साहित्य तथा सौन्दर्यबोध का समझना।

अध्ययन परिणाम :

1 इकाई 1

विद्यार्थी इस यूनिट के अध्ययन के पश्चात समाज के प्रति संवेदनशील और कर्तव्यनिष्ठ हो सकेंगे।

2 इकाई 2

इस यूनिट सेविद्यार्थी की संप्रेषण क्षमता का विकास होगा। इससे समाजिक संपर्क में सुविधा होगी।

3 इकाई 3

इससे विद्यार्थी अपने देश की भाषा एवं व्याकरण की सही समझ विकसित कर सकेगा। इससेमानवीय व्यवहार करने में सहयोग मिलेगा।

4 इकाई 4

ठससे विद्वार्थी समाज के स्थापित नायक–खलनायक में भेद करना सीखेगा। समाज के विकास हेतुं आदर्श कैसा हो यह भी सीखेगा । किसी भी घटना के कार्य–कारण सम्बन्धों की समझ विकसित होगी।

5 इकाई 5

विद्यार्थी इसके अध्ययन सेसमाज के साथ संप्रेषण की कला का विकास करेगा।

6 इकाई 6

टालोचना सेसमाज के प्रत्येक पहलू को बेहतर किया जा सकता है।

7 इकाई 7

नई समीक्षा से समाज के अतीत, वर्तमान और भविष्यकोनये–नये ढग से समझने का मौका मिलता है। जिससे नई–नई सम्भावनाओं की तलाश की जा सकती है।

9 इकाई 8

विभिन्न हिन्दी आलोचकोंकी साहित्य, कला, सौन्दर्य और विश्व दृष्टि का विश्लेषण कौशल समझना।

CREDITS: 5	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	भारतीय काव्यशास्त्र : काव्य प्रयोजन काव्य लक्षण काव्य हेतु काव्य का स्वरूप काव्य की आत्मा	09
II	भारतीय काव्य सिद्धांत टलंकार सिद्धांत रीति सिद्धांत रस सिद्धाांत ध्वनि सिद्धांत वक्रोक्ति सिद्धांत औचित्य सिद्धांत	09
III	साहित्यशास्त्रीय अवधारणाएँ काव्य रूप काव्य गुण शब्द शक्ति काव्य दोष	09
IV	नाट्यशास्त्र : भारतीय नाट्शास्त्र का सामान्य परिचय वृत्ति अभिनय रूपक कथा नेता या नायक नायिका रंगमंचीय विशेषताएँ	09
V	पाश्चात्य काव्यशास्त्र (सामान्य परिचय) अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, विरेचन, विरेचन पद्धति कॉलरिज : कल्पना और फैंटेसी वर्डसवर्थ का काव्यभाषा सिद्धांत रिचर्डस का संप्रेषण सिद्धांत टी.एस. इलियट का निवैयक्तिकता का सिद्धांत	09

VI	हिन्दी आलोचना का इतिहास तथाा सैद्धांतिकी : हिन्दी आलोचना का विकास सैद्धांतिक आलोचना स्वच्छंदवादी आलोचना मार्क्सवादी आलोचना मनोविशेषणवादी आलोचना	10
VII	समीक्षा की विचारधाराएँ : नयी समीक्षा नक्शास्त्रवाद यथार्थवाद आभिजात्यवाद और नव्य आभिजात्यवाद कलावाद बिंबवाद प्रतिकवाद संरचनावाद तथा उत्तर संरचनावाद उत्तर आधुनिकता और विखंडन	10
VIII	आलोचक एवं आलोचना दृष्टि : रामचन्द्र शुक्ल : काव्य में लोकमंगल प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य प्रसाद : छायावाद और यथार्थवाद हजारी प्रसाद द्विवेदीः आधुनिक साहित्य– नई मान्यताएँ डॉ. नगेन्द्र : मेरी साहित्यिक मान्यताएँ रामविलास शर्मा : तुलसी साहित्य में सामंत विरोधी मूल्य नामवर सिंह : कहानी : नई और पुरानी मुक्तिबोध : नई कविता का आत्मसंघर्ष	10
	संदर्भ ग्रन्थ : 1. शर्मा, देवेन्द्र नाथ, पाश्तात्य काव्यशास्त्र, मयूर पेपर बैक्स, नोयडा, 2002 2. न्वल, नन्दकिशोर, हिन्दी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1981 3. सिंह, बच्चन, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़, 1987 4. मिश्र, भगीरथ, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय पकाशन, वाराणसी, 1988 5. मिश्र, भगीरथ, काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 6. त्रिपाठी, विश्वनाथ, हिन्दी आलोचन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1992 7. तिवारी, डॉ.रामचंर्द,भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, तृतीय	

	संसकरण, 2010 8. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटस्र प्रा0लि0,नई दिल्ली, 2007 9. जैन, निमला, पाश्चात्य साहित्य चिंतन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली,1990

	This course can be opted as an elective by the students of following subjects: **इंटरमीडियेट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।**	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: **लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण**	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: **1. कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य** **2. वाचन**	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject . . . . in class/12th/certificate/diploma **सभी के लिये (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)**	
Suggested equivalent online courses:		
Further Suggestions:		

At the End of the whole syllabus any remarks/suggestions.

.....

सामान्य अनुदेश **समय : 3 घंटे**	
	पूर्णांक 75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (अधिकतम 50 शब्द)	5 x 2= 10
लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 100 शब्द)	5 x 5 = 25

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 400 शब्द)	4 x 10= 40

मध्यावधि परीक्षण (Mid Term Test)	पूर्णांक) 25
मिड– टर्म परीक्षा हेतु 25 अंक निर्धारित है। मिड–टर्म परीक्षा का स्वरूप निम्नवत है – 1 05 अंक का बहुविकल्पीय प्रश्न–पत्र निर्मित कर मूल्यांकन होगा। (इस हेतु 10–10 प्रश्न के दो बहुविकल्पीय प्रश्न–पत्र सेट बनाये जायेंगें) 2 05 अंक का आवंटन सेमिनार/लेखन क्षमता हेतु निर्धारित है। 3 10 अंक का परियोजना कार्य (05 अंक का अधिन्यास लेखन +05 अंक की मौखिकी परीक्षा/प्रस्तुतीकरण) छात्र/छात्राओ को आवंटित कर मूल्यांकन किया जाएगा। 4 05 अंक का आवंटन छात्र/छात्राओं की उपस्थिति/अन्य शैक्षिक गतिविधियों हेतु निर्धारित है।	

PROGRAMME/CLASS:	BA III YEAR	SEMESTER: V
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010502T	COURSE TITLE: हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य	

पाठ्क्रम का उद्देश्य : हिन्दी की राष्ट्रीय काव्य चेतना से जुड़े कवियों की रचनाओं के माध्यमसे विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति अनुराग जागृत करना।

1 इकाई 1

हिन्दी की राष्ट्रीय काव्य चेतना से जुड़े कवियों की रचनाओं के माध्यम से राष्ट्र प्रेम और राष्ट्र बोध के आरंभिक साहित्यिक साक्ष्योंके प्रति सवेदित करना।

2 इकाई 2

भक्ति एवं रीतिकाल के दो प्रमुख कवियों की रचनाओं के अध्ययन–अध्यापन के जरिये राष्ट्र प्रेम के सर्वोच्च मूल्य को आत्मसात करते हुए इसके कलात्मक प्रस्थान बिदुओं की पहचान।

3 इकाई 3

श्रीतिकाल और आधुनिक काल के संधि–स्थल की रचनाओंमें निहित राष्ट्र प्रेम, स्वाधीनता बोध और विदेशी पराधीनता के प्रतिरोध के काव्य चिह्नों से अवगत कराना।

4 इकाई 4, 5,6, 7

ब्रिटिश शासन काल में और प्रथम विश्वयुद्ध के चलते पैदा हुइ वैश्विक अराजकता के बीच राष्ट्रीयता की भावना कोसंरक्षित रखने के काव्य प्रयत्नों को चिन्हित करना।

5 इकाई 8

स्मकालीन काव्य के कवियों कीरचनाओं में व्याप्त राष्ट्र बोध के नये आयामों से अवगत कराना।

अध्ययन परिणाम :

1 इकाई 1

अध्ययनोपरांत विद्यार्थी यह संवेदना प्राप्त कर सकेंगे कि भारतभूमि के प्रति प्रेम और सम्मान सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। आरंभिक काव्यों में इस राष्ट्र बोध के व्यावहारिक अनुशीलन से युवा विद्याथियों को राष्ट्रीयता की भावना से सुपृक्त किया जा सकेगा।

2 इकाई 2

अध्ययनापरांत विद्यार्थी ये जान सकेंगे कि भक्तिकाल की व्ययापक स्वीकार्यता और रीतिकाल की संकीर्ण संवेदना के भीतर भी राष्ट्र प्रेम की अन्तर्धारा निरंतरबनी रही जो आगे चलकर आधुनिक राष्ट्रबोध के रूप में प्रतिफलित हुई।

3 इकाई 3

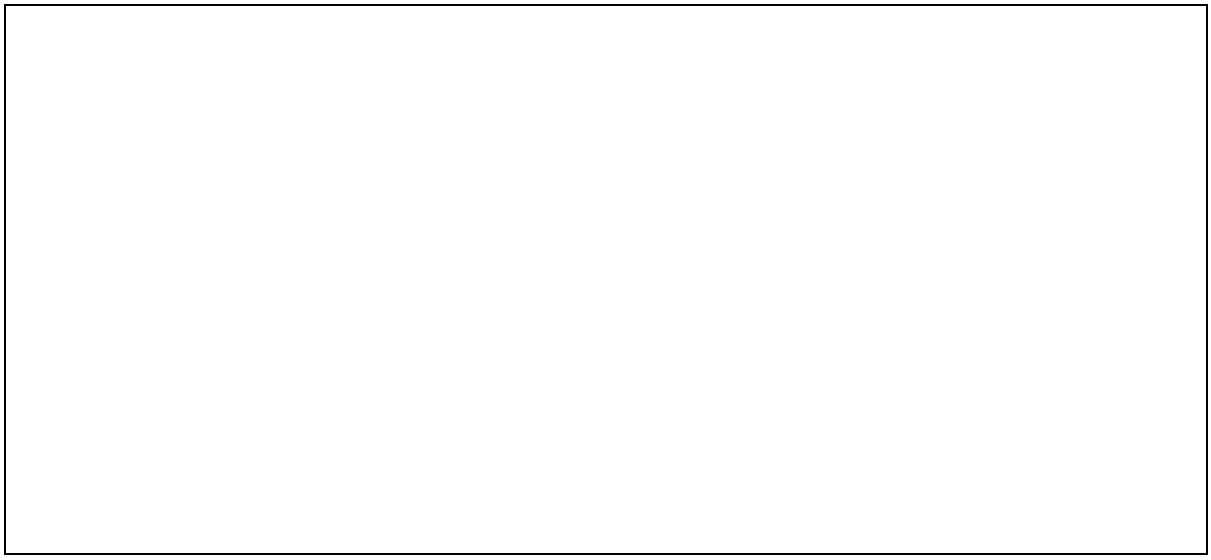

अध्ययनोपरांत विद्यार्थी यह जान सकेंगे कि नए और पुराने साहित्यिक मूल्यों के संक्रमण काल में भी राष्ट्र राष्ट्र प्रेम, स्वाधीनता और स्वत्व के पहचान के काव्यात्मक प्रयासों को हिन्दी कविता ने किस तरह सार्थकता प्रदान की।

4 इकाई 4

अध्ययोपरांत विद्यार्थी यह जान सकेंगे कि ब्रिटिश शासन की दमनकारी नीतियों और प्रथम विश्व युद्ध की विभिषिका के चलत पैदा हुई वैश्विक अराजकता के बीच छायावदी कवियों ने भारतभूमि के प्रति असीम अनुराग की भावना को सवौपरि और अक्षुण्ण रखा। यह युवा पीढ़ी की चेतना के संस्कार के लिए आवश्यक एवं प्रभावशाली परिणाम होगा।

5 इकाई 5 ,6, 7

अध्ययनोपरांत विद्यार्थी यह जान सकेंगे कि भारतीय वीर नायकोने राष्ट्र को सबसे ऊपर स्थान देते हुए अपने प्राणों की आहूति तक दे दी। यूवा अध्येताओ में राष्ट्र के सम्मान की रक्षा में प्राणेत्सर्ग क लिए तैयार रहने की संवेदना विकसित की जा सकेगी।

6 इकाई 8

अध्ययनोपरांत विद्यार्थी अति लोकप्रिय रूपों यानि सिनेमा फिल्मी गीतों आदि में मौजूद राष्ट्रीयता बोध से परिपूर्ण भावों की प्रभावशाली व्याप्ति के अवगाहन से स्वयंको ऊर्जस्वित एवं स्पंदित कर सकेगा।

CREDITS: 5	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	वीरगाथाकाल का राष्ट्रीय काव्य चंदरबाई : पृथ्वीराज रासोंकेरेवातक समय के अंश (चढ़ती राज पृथ्वीराज) जगनिक : आल्हखंड नैनागढ़ की लड़ाई अथवा आल्हा का विवाह खंड (प्रथम पॉच सुमिरन अंश (गया न किन्हीं जिन कलजउग मां .....भयानक मार)अंतिम पॉच अंश (भोर भुरहरे .... लड़िहै खूब बीर मलखान))	09
II	भक्ति एवं रीतिकाल का राष्ट्रीय काव्य : गुरू गोविन्द सिंह : देहु शिवा वर मोहि इहे, बाण चले तेरी कुंकुम मानो, यों सुनि के बतियाने तिह की भूषण : इन्द्र जिमि जम्भ पर, बांधे फहराने, निज म्यानतें मयूखऐं, दारून दहत हरनाकुस बिदारिबे कों	09

III	भारतेन्दु एवं द्विवेदीयुगीन राष्ट्रीय काव्य : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : उन्नतचितह्वैआर्य परस्पर प्रीत बढ़ावें, बलकौशल अमित विद्या वत्स भरे मिल लहैं, भीतर भीतर सब रस चूसै, सब गुरूजन को बुरो बतावै अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔंध' : कर्मबीर, जन्मभूमि मैथलीशरण गुप्त : आर्य, मातृभूमि	09
IV	छायावाद युगीन राष्ट्रीय काव्य : जयशंकर प्रसाद : प्रयाण गीत (हिमाद्रि तुंग श्रृंग), अरूण यह मधुमय देश हमारा सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : भारती वंदना (भारविजय विजय करे), जागो फिर एक बार माखनलाल चतुर्वेदीः पुष्प की अभिलाषा, जवानी सुभद्रा कुमारी चौहान : वीरों का कैसा हो बसंत, झॉसी की रानी	09
V	छायावादोत्तर राष्ट्रीय काव्य : बालकृष्ण शर्मा नवीन : कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, कोटि कोटि कंठों से निकली आज यही स्वर धारा है। रामधारी सिंह 'दिनकर' : शहीद स्तवन (कलम आज उनकी जय बोल), हिमालय श्यामलाल गुप्त 'पार्षद' : झंडा गीत (विजयी विश्व तिरंगा प्यारा)	09
VI	समकालीन राष्ट्रीय काव्य प्रथम चरण : श्याम नारायण पाण्डेय : चेतक की वीरता, राणा प्रताप की तलवार द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी : उठो धरा के अमर सपूतों, वीर तुम बढ़े चलो गोपाल प्रसाद व्यास : खूनी हस्ताक्षर , शहीदों में तू नाम लिखा ले रे	10
VII	समकालीन राष्ट्रीय काव्य द्वितीय चरण : सोहनलाल द्विवेदी : मातृभूमि, तुम्हे नमन (चल पड़े जिधर दो डग मग में) अटलबिहारी वाजपेयी : कदम मिलाकर चलना होगा, उनकी याद करें	10
VIII	हिन्दी फिल्मी गीतों में राष्ट्रीय काव्य : कवि प्रदीप : आज हिमालय की चोटी से फिर हमने ललकारा है (किस्मत–143, ऐ मेरे वतन के लोगों जरा ऑख में भर लो पानी (गैर फिल्मी), हम लाये हैं तूफान से कश्ती निकाल के (जागृति–1954), आओ बच्चो तुम्हें दिखाऍ झांकी हिंदुस्तान की (जागृति–1954) शाहिर लुधियानवी : साथी हाथ बढ़ाना (नया दौर–1954) प्रेम धवन : छोड़ो कल की बातें कल की बात पुरानी (हम हिन्दुस्तानी–1961) नीरज : ऐ मेरे प्यारे वतन (काबुलीवाला–1961) कैफी आजमी : कर चले हम फिदा जाने तन साथियों (हकीक–1961) राजेन्द्र कृष्ण : जहॉ डाल–डाल पर सोने की चिड़ियां (फिल्म– सिंकंदर–आजम– 1965) गुलशन बावरा : मेरे देश की धरती सोना उगले (उपकार–1967) गलजार : ए वतन, मेरे वतन आबाद रह तू (राजी–2018) इसरार अंसारी : जिंदगी मौत न बन जाये (सरफरोश–1999)	10
	सेशनल अथवा सत्रीय परीक्षा (प्रायोगिक कार्य):	

	सत्रीय परीक्षा में विद्यार्थी को आन्तरिक मूल्यांकन के अंतर्गत 25 अंक की प्रायोगिक परीक्षा देनी होगी, जिसके अन्तर्गत विद्यार्थियों को निम्नलिखित फिल्मों में से कोई एक फिल्म देखकर उसकी समीक्षा तथा उसमें वर्णित सन्देश परियोजना कार्य के रू॰ में आन्तरिक मल्यांकन के अन्तर्गत मूल्यांकन हेतु जमा करना होगा– आनंदमठ हकीकत उपकार शहीद गॉधी उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक केसरी	

संदर्भ ग्रन्थ :

1. तिवारी, उदयनारायण, वीर काव्य, भारती भण्डार, प्रयाग, प्रथम संस्करण,संवत 2005 वि.
2. चंदबरबाई, पृथ्वीराज रामो मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या और श्याम सुन्दर दास, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी, प्रथम संस्करण, सन् 1906
3. सिंह, शांता, चंदबरदाई, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन् 2017
4. कुमुद अयोध्याप्रसाद गुप्त, साहित्य अकादेमी,नयी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन् 2014
5. आल्हखण्ड, ई पुस्तकालय डॉट कॉम
6. श्यामसुंदर दास (संपा.), परमाल रासो, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी, प्रथम संस्करण
7. सिंह, डॉ. महीप गुर गोबिन्द सिंह और उनका काव्य, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली, सन् 1969 प्रथम संस्करण
8. बोरा, राजमल, भूषण, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन् 2017
9. मिश्र, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद, वाणी वितान, वाराणसी, संवत् 2010 वि.
10. ब्रजरत्न दास, भारतेन्दु ग्रंथावली, वाराणसी
11. गिरीश, गिरिजदन शुक्ल, महाकवि हरिजीध, अरूणोदय पब्लिशिंग हाउस, प्रयाग, सन्1932
12. पालीवाल, डॉ. कृष्णदत्त , मैथिलीशरण गुप्त ग्रंथावली, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, सन् 2008
13. व्यास, विनोद शंकर (संपा.), प्रसाद और उनका साहित्य, विद्या भास्कर बुक डिपो, वाराणसी
14. बाजपेयी, नंददुलारे, जयशंकर प्रसाद, सीडर प्रेस, इलाहाबाद
15. विसारिया,डॉ. पुनीत, भारतीय सिनेमा का सफरनामा, अटलांटिक पब्लिकेशन्स प्रा0लि0 नयी दिल्ली,2020
16. अरूण डॉ. योगेन्द्रनाथ शर्मा एवं कन्डियाल, बेचैन, हिमवंत का राष्ट्रीय कवि निशंक अनंग प्रकाशन, दिल्ली, 2020
17. बिसारिया, डॉ. पुनीत सेरेनानि पनि एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड,नई दिल्ली, 2007
18. **kavitakosh.org**

	19. epustakalay.com 20. ndl.iitkgp.ac.in (National digital library of India) 21. hindigeetmala.net	
	This course can be opted as an elective by the students of following subjects: **इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।**	
	Suggested Continuous Evaluation Methods : **लिखित परीक्षा , परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षा परीक्षण**	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1. **फिल्म विशेष के संदेश पर परियोजना कार्य** 2. **वाचन**	
	Course prerequisites :To study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma **सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)**	
	Suggested equivalent online courses :	
	Further Suggestions	

At the End of the whole syllabus any remarks/suggestions:

सामान्य अनुदेश **समय : 3 घंटे**	
	पूर्णांक 75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (अधिकतम 50 शब्द)	5 x 2= 10
लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 100 शब्द)	5 x 5 = 25

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 400 शब्द)	4 x 10= 40

मध्यावधि परीक्षण (Mid Term Test)	पूर्णांक 25
मिड– टर्म परीक्षा हेतु 25 अंक निर्धारित है। मिड–टर्म परीक्षा का स्वरूप निम्नवत है – 1 05 अंक का बहुविकल्पीय प्रश्न–पत्र निर्मित कर मूल्यांकन होगा। (इस हेतु 10–10 प्रश्न के दो बहुविकल्पीय प्रश्न–पत्र सेट बनाये जायेंगें) 2 05 अंक का आवंटन सेमिनार/लेखन क्षमता हेतु निर्धारित है। 3 10 अंक का परियोजना कार्य (05 अंक का अधिन्यास लेखन +05 अंक की मौखिकी परीक्षा/प्रस्तुतीकरण) छात्र/छात्राओ को आवंटित कर मूल्यांकन किया जाएगा। 4 05 अंक का आवंटन छात्र/छात्राओं की उपस्थिति/अन्य शैक्षिक गतिविधियों हेतु निर्धारित है।	

PROGRAMME/CLASS:	BA III YEAR	SEMESTER: VI
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010607T	COURSE TITLE: भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

भाषा के अंगो, हिन्दी भाषा के उद्भव और विकास तथा देवनागरी लिपि के स्वरूप की जानकारी प्राप्त होगी। विद्यार्थियों को हिन्दी की वैज्ञानिकता एवं वैधानिक स्थिति से परिचित कराना।

1 इकाई 1

भाषा की परिभाषा, भाषा की निर्मिती एवं इसके स्वरूप से परिचित कराना।

2 इकाई 2

भाषा –विज्ञान के स्वरूप का आकलन करना। भाषा की संरचना एवं इसके विभिन्न स्तरों का संज्ञान करना।

3 3, 4, 5 इकाई का संभावित अध्ययन द्वारा हिन्दी भाषा केविकासात्मक स्वरूप का अवबोंध विकसित करना।

4 5,6,7 इकाई के द्वारा हिन्दी की वैधानिक, संवैधानिक स्थिति से परिचि कराना। हिन्दी की लिपि देवनागरी की वैज्ञानिकता, शक्ति एवं सीमाओं का बोध कराना।

5 इकाई 8

हिन्दी के विकास मेंमहत्वपूर्ण योगदान देने वाली भोजपुरी व अवधी उप–भाषाओं के भाषा विज्ञान,व्याकरण, शब्द संपदा, वाक्य–विन्यास आदि सीख सकेंगें।

अध्ययन परिणामः

1 इकाई 1

अध्ययनोपरांत विद्यार्थी भाषा एवं भाषा विज्ञान की परिभाषा प्रारूप एवं प्रयोग से अवगत हे सकेंगे। इसकी विभिन्न शाखाओ के आयामों को जान सकेंगे।

2 इकाई 2

अध्ययनोपरांत विद्याथी हिन्दी भाषा की संररचना एवं इसके विभिन्न स्तरों से परिचित हो सकेंगे।

3 इकाई 3, 4,5 इकाईयों के अध्ययन उपरांत विद्यार्थी हिन्दी भाषा की उत्पत्ति विकास एवं विभिन्न परिवर्तनों की वैज्ञानिक समझ विकसित कर सकेंगे।

4 हिन्दी व्यापक और लचीली शब्द परंपरा को जान सकेंगे और इसकी निर्मिती में उप भाषाओं व बोलियें के महत्व को रेखांकित कर सकेंगे।

5 5, 6, 7 इकाईयों के अध्ययनोपरांत विद्यार्थी हिंदी भाषा की वैज्ञानिकता एवं संवैधानिक स्थितियों से परिचित हो सकेंगे। हिंदी को सशक्त बनाने के लिए संवैधानिक उपादानों की स्वयं भी पहचा कर सकेंगे। हिंदी की अपनी लिपि देवनागरी की वैज्ञानिकता को समझते हुए इसकी शक्ति एवं सीमाओं के प्रति समझ विकसित कर सकेंगे।

6 इकाई 8

अध्ययनोपरांत विद्यार्थी हिन्दी भाषा की व्यवस्थित ध्वन्यात्मक वाक्य विन्यास आत्मक शब्द संपदा के स्तर पर एवं सांस्कृतिक अवसर को निन्हित करते हुए धानीयता और विश्वसनीयता की पारस्परिकता को समझने की क्षमता विकसित कर पाएंगे।

CREDITS : 5	MAX MARKS : 25+75	MIN. PASSING MARKS : 10+30

Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	भाषा एवं विज्ञान का सामान्य परिचय : भाषा : परिभाषा, स्वरूप, अभिलक्षण भाषा विज्ञान : परिभाषा, प्रकार, क्षेत्र, शाखाएँ	09
II	भाषिक संरचना तथा स्तर : ध्वनि शब्द रूप वाक्य प्रोक्ति अर्थ	09
III	हिन्दी भाषा का उत्पत्ति तथा विकास : पृष्ठभूमि अपभ्रंश अवहट्ट पुरानी हिन्दी मानक हिन्दी	09
IV	हिन्दी शब्द सम्पदा और उसके मूल स्त्रोत : हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण आधार – वाह्य प्रयत्नं, उच्चारण स्थान, प्राणत्व और अनुनासिकता	09
V	हिन्दी उपभाषाओं तथा बोलियों का परिचय : पश्चिमी हिन्दी	09

	पूर्वी हिन्दी पहाड़ी हिन्दी राजस्थानी हिन्दी बिहारी हिन्दी	

VI	हिन्दी की वैधानिक एव संवैधानिक स्थिति : राजभाषा आयोग राजभाषा अधिनियम तथा उनका विश्लेषण संवैधानिक प्रावधान तथा उसका विश्लेषण	10
VII	देवनागरी लिपि : नामकरण उद्भव और विकास विशेषताएं वैज्ञानिकता समस्या सुधार	10
VIII	क्षेत्रीय बोली का विशेष अध्ययन (अवधि और भोजपुरी के विशेष संदर्भ में) : क्षेत्रीय बोली का विकास क्रम क्षेत्रीय बोली का साहित्यिक विकास	10
	संदर्भ ग्रन्थ : 1.शर्मा, आचार्य देवेन्द्रनाथ, भाषा विज्ञान भूमिका,राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज नई दिल्ली, 1972 2 द्विवेदी कपिलदेव, भाषा –विज्ञान एवं भाषा–शास्त्र विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1987 3 शर्मा डॉ. रामकिशोर, हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, विद्या प्रकाशन, इलाहाबाद, 1994 4 तिवारी भोलानाथ, हिन्दी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1987 5 त्रिपाठी सत्यनारायण, हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1981 6 शर्मा राजमणि, हिन्दी भाषाः इतिहास एव स्वरूप, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014 7 तिवारी भोलानाथ, भाषा विज्ञान, किताबमहल, इलाहाबाद, 1999 8 वर्मा डॉ. धीरेन्द्र, हिन्दी भाषा और लिपि, हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयाग, 1951 9 बाहरी हरदेव, हिन्दी भाषा, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली, 2017 10 बाहरी हरदेव, हिन्दी उद्भव, विकास और रूप , किताबमहल, इलाहाबाद, 42 वॉ संस्करण, 2018	

	This course can be opted as an elective by the students of following subjects: **इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते है।**	
	Suggested Continuous Evaluation Methods : **लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण**	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: **कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य**	
	Course prerequisites:To study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma **सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)**	
	Suggested equivalent online courses :	
	Further Suggestions	

At the End of the whole syllabus any remarks/suggestions:

समान्य अनुदेश **समय 3 घंटे**	
	पूर्णांक 75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (अधिकतम 50 शब्द)	5 x 2= 10
लधु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 100 शब्द)	5 x 5 = 25
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 400 शब्द)	4 x 10= 40
मध्यावधि परीक्षण (Mid Term Test)	I **पूर्णांक** 25

मिड– टर्म परीक्षा हेतु 25 अंक निर्धारित है। मिड–टर्म परीक्षा का स्वरूप निम्नवत है – 1 05 अंक का बहुविकल्पीय प्रश्न–पत्र निर्मित कर मूल्यांकन होगा। (इस हेतु 10–10 प्रश्न के दो बहुविकल्पीय प्रश्न–पत्र सेट बनाये जायेंगें) 2 05 अंक का आवंटन सेमिनार/लेखन क्षमता हेतु निर्धारित है। 3 10 अंक का परियोजना कार्य (05 अंक का अधिन्यास लेखन +05 अंक की मौखिकी परीक्षा/प्रस्तुतीकरण) छात्र/छात्राओ को आवंटित कर मूल्यांकन किया जाएगा। 4 05 अंक का आवंटन छात्र/छात्राओं की उपस्थिति/अन्य शैक्षिक गतिविधियों हेतु निर्धारित है।	

PROGRAMME/CLASS:	BA III YEAR	SEMESTER: VI
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010602T	COURSE TITLE: लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

भारतीय संस्कृति में जनश्रुति से निर्मित साहित्य के महत्वपूर्ण योगदान से विद्यार्थियों को परिचित कराना तथा लोक संस्कृति के विकास से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

1 इकाई 1

लेक–साहित्य की विविधता से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

2 इकाई 2

लेक–साहित्य एवं शिष्ट साहित्य के अंतर्सम्बन्ध में परिचित कराना।

3 इकाई 3

विद्यार्थियों को लोक–साहित्य , लोक संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता से परिचित कराना।

4 इकाई 4

विद्यार्थी लोक–साहित्य के विविध आयामों से परिचित होंगे तथा उसके संकलन, संरक्षण एवं संवर्धन की तरफ उन्मुख होंगे।

5 इकाई 5

विद्यार्थी लोक–साहित्य की विविध विधाओ से परिचित हो सकेंगे।

6 इकाई 6

विद्यार्थी लोकोक्तियों, मुहावरों एवं पहेलियों आदि के परम्परिक महत्व से परिचित हो सकेंगे।

7 इकाई 7

विद्यार्थी लोक–साहित्य के क्रमिक विकास से परिचित हो सकेंगे।

8 इकाई 8

विद्यार्थी लोक–साहित्य के क्षेत्रीय(ऑचलिक) स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।

अध्ययन परिणाम :

1 इकाई 1

अध्ययनोपरांत विद्यार्थी लोक–साहित्य कीउपादेयता एव इसके व्यावहारिकता पक्ष को समझ सकेंगे।

2 इकाई 2

अध्ययनोपरांत विद्यार्थी लोक–साहित्य एवं शिष्ट साहित्य के व्यावहारिक पहलुओं को समझ सकेंगे।

3 इकाई 3

अध्ययनोपरांत विद्यार्थी लोक–साहित्य एवं लोक–संस्कृति के विविध पहलुओं के माध्यम से राष्ट्रीय एकता के सूत्र को समझ सकेंगे।

4 इकाई 4

अध्ययनेपरांत विद्यार्थी लोक–साहित्य की महत्ता को समझ सकेंगे तथा उसके उन्नयन हेतु प्रयासरत होंगे।

5 इकाई 5

अध्ययनोपरांत विद्यार्थी लोक–साहित्य की विविध विधाओ के व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक पक्ष को समझ सकेंगे।

6 इकाई 6

अध्ययनोपरांत विद्यार्थी लोकोक्तियों, मुहावरों एवं पहेलियों के व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक पक्ष को समझ सकेंगे।

7 इकाई 7

अध्ययनोपरांत विद्यार्थी लोक–साहित्य के इतिहास एवंउसकी सीमा और संभावना के प्रति समझ विकसित कर सकेंगें।

8 इकाई 8

अध्ययनोपरांत विद्यार्थी लोक–साहित्य के क्षेत्रीय स्वरूप यथा – कजरी, बिरहा, आदि के प्रति अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।

CREDITS : 5	MAX MARKS : 25+75	MIN. PASSING MARKS : 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	लोक साहित्य का सामान्य परिचय : लोक साहित्य : परिभाषा, क्षेत्र, वर्गीकरण	09
II	लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य : लोक साहित्य और शि९ ट साहित्य का पारस्परिक सम्बन्ध	09
III	लोक साहिय, लोक संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता : लोक साहित्य में लोके संस्कृति का चित्रण, लोक संस्कृति और राष्ट्रीय एकता	09
IV	लोक साहित्य का संकलन, संरक्षण एवं संवर्धन : लोक साहित्य संकलन,संरक्षण एवं संवध्रन, राष्ट्रीय जीवन में लोक साहित्य का महत्व	09

V	लोक साहित्य की विविध विधाएँ : लोक गीत, लोक कथा, लोक नाट्य, लोक नृत्य एवं लोक संगीत	09
VI	लेक का पकीर्ण साहित्य : लोकोक्तियॉ, मुहावरे एवं पहेलियॉ परंपरा एवं महत्व	10
VII	हिन्दी लोक साहित्य का विकास कम : हिन्दी कालोक साहित्य, इतिहास : अध्ययन की सीमाएँ एवं आवश्यकताएँ, हिन्दी का लोक साहित्य एवं बोलियॉ	10
VIII	हिन्दी के विभिन्न क्षेत्रीय (ऑचलिक) लोक साहित्य का परिचय : भोजपुरी संत साहित्य की परंपरा तथा काशी की काशिका में लिखी गई तेग अली की गजल 'बदमाश दर्पण', कजरी, बिरहा आदि	10

संदर्भ ग्रन्थ :

1. प्रसाद, डॉ. दिनेश्वर, लोक साहित्य और संस्कृति, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 1973
2. शर्मा, डॉ. श्रीराम, लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1973
3. सक्सेना, डॉ.उपा. लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति, राजभाषा प्रकाशन, दिल्ली, 2007
4. उपाध्याय, कृष्णदेव, लोक साहित्य की भूमिका साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, प्रयागराज, 1957
5. सुमन, रामनाथ, संपाक सम्मेलन पत्रिका, लोक संस्कृति विशेषांक, प्रयागराज, संवत 2010
6. मिश्र, डॉ. चितरंजन एवं ओझा, दुर्गाप्रसाद, समकालीन हिन्दी एवं अवधी ककविता प्रकाशन केन्द्र , लखनऊ, 2019
7. मिश्र, डॉ. श्रीधर, भोजपुरी लोक साहित्य सांस्कृतिक विमर्श, कौटिल्य बुक्स, नई दिल्ली, 2018
8. यादव, डॉ.वीरेन्द्र सिंह, भारत का लोक सांस्कृतिक अध्ययन, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज, 1971
9. बिसारिया, डॉ.पनीत एवं याादव, डॉ. वीरेन्द्र सिंह, भोजपुरी विमर्श, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली,2009
10. डॉ. सत्येंद्र, लोक साहित्य विज्ञान, शिवलाल अग्रवाल कंपनी, आगरा,1971
11. बिसारिया, डॉ. पुनीत, बुन्देली महिमा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,2017
12. बिसारिया, डॉ. पुनीत, बुन्देली काव्यधारा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2019
13. उपाध्याय, कृष्णदेव, भोजपुरी लोक का अध्ययन, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, 1949
14. सत्येन्द्र ब्रज की नोक कहानियां, ब्रज साहित्य मंडल, मथुरा
15. सत्येन्द्र, ब्रज लोक साहित्य का अध्ययन साहित्य रत्न भंडार,आगरा
16. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली, 2007

	This course can be opted as an elective by the students of following subjects: **इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते है।**	
	Suggested Continuous Evaluation Methods : **लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण**	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: **कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजनाकार्य वाचन**	
	Course prerequisites:To study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma **सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)**	
	Suggested equivalent online courses :	
	Further Suggestions	

At the End of the whole syllabus any remarks/suggestions:

सामान्य अनुदेश **समय 3 घंटे**	
	पूर्णांक 75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (अधिकतम 50 शब्द)	5 x 2= 10
लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 100 शब्द)	5 x 5 = 25
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 50 शब्द)	4 x 10= 40

मध्यावधि परीक्षण (Mid Term Test)	पूर्णांक 25
मिड– टर्म परीक्षा हेतु 25 अंक निर्धारित है। मिड–टर्म परीक्षा का स्वरूप निम्नवत है – 1 05 अंक का बहुविकल्पीय प्रश्न–पत्र निर्मित कर मूल्यांकन होगा। (इस हेतु 10–10 प्रश्न के दो बहुविकल्पीय प्रश्न–पत्र सेट बनाये जायेंगें) 2 05 अंक का आवंटन सेमिनार/लेखन क्षमता हेतु निर्धारित है। 3 10 अंक का परियोजना कार्य (05 अंक का अधिन्यास लेखन +05 अंक की मौखिकी परीक्षा/प्रस्तुतीकरण) छात्र/छात्राओ को आवंटित कर मूल्यांकन किया जाएगा। 4 05 अंक का आवंटन छात्र/छात्राओं की उपस्थिति/अन्य शैक्षिक गतिविधियों हेतु निर्धारित है।	